Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

CUET-2022 (UG): B.Voc.- Industrial Waste Management

Newspaper: Amar Ujala **Date: 22-04-2022**

दाखिला

सीयूईटी 2022 के अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी, 6 मई तक करें आवेदन

हकेंविवि में बीवॉक औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन में दाखिले का अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

इस प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रम बीवॉक- औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन में दाखिले का विकल्प उपलब्ध है। किताबी ज्ञान, कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार के ढेरों अवसर उपलब्ध कराने वाले इस पाठ्यक्रम में दाखिला केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के माध्यम से 6 मई तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि यह पाठ्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए किताबी ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों को कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराता है।

व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि बी.वॉक.- औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन व्यापक व्यावहारिक शिक्षा के अंतर्गत समय-समय पर इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के व्याख्यान और औद्योगिक प्रशिक्षण भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करता है। उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रोजगार क्षमता बढ़ाना और कौशल विकास करना है।

इस सत्र के लिए 50 सीटें उपलब्ध : पाठ्यक्रम में सत्र 2022-23 के अंतर्गत कुल 50 सीटें उपलब्ध हैं। पाठ्यक्रम की समन्वयक डॉ. सुषमा ने बताया कि इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे हो नए तरीकों से अवगत कराना है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को एक वर्ष का कोर्स पूरा करने पर डिप्लोमा, दो वर्ष पूरा करने पर एडवांस डिप्लोमा तथा तीन वर्ष पूरा करने पर भी वर्क औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन की डिग्री प्रदान की जाती है इसके अलावा भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था ग्रीन जॉब्स, स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल संबंधी प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाता है।

डॉ. सुषमा ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में अध्ययन के बाद रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध हैं और कोरोना महामारी के बावजूद विश्वविद्यालय में अध्ययनरत इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को हाईटेक एन वॉयरो इंजिनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, देशवाल इन्वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार मिलना एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध इस पाठ्यक्रम में दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी 6 मई तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 22-04-2022**

बीवॉक-औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन में दाखिले का अवसर

सीयूईटी के अंतर्गत दाखिला प्रक्रिया जारी, छह मई तक करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय के व्यवसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रम बीवॉक-औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन में दाखिले का विकल्प उपलब्ध है। किताबी ज्ञान, कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार के ढेरों अवसर उपलब्ध कराने वाले इस पाठ्यक्रम में दाखिला केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) 2022 के माध्यम से होगा, जिसके लिए आगामी छह मई तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर का कहना है कि यह पाठ्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए किताबी ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों को कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराता है।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो: हरिभूमि

विज्ञान विषय में 12वीं पास होना आवश्यक: व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन मौर्या ने बताया कि बीवॉक-औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन व्यापक व्यवहारिक शिक्षा के अंतर्गत समय-समय पर इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के व्याख्यान और औद्योगिक प्रशिक्षण भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करता है। प्रो. मौर्य ने कहा कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रोजगार क्षमता बढ़ाना और कौशल विकास करना है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदक का विज्ञान विषय में 12वीं पास होना या बारहवीं (विज्ञान विषय) के परीक्षा में सम्मिलित हुआ होना आवश्यक है। पाठ्यक्रम में सत्र 2022-23 के अंतर्गत कुल 50 सीटें उपलब्ध हैं। पाठ्यक्रम की समन्वयक डॉ. सुषमा ने बताया कि इस प्रोग्राम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे हो नए तरीकों से अवगत कराना है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को एक वर्ष का कोर्स पूरा करने पर डिप्लोमा, दो वर्ष पूरा करने पर एडवांस डिप्लोमा तथा तीन वर्ष पूरा करने पर भी बर्क औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन की डिग्री प्रदान की जाती है। इसके अलावा भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था ग्रीन जॉब्स, स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल संबंधी प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाता है।

विवि की वेबसाइट पर करें आवेदन

डॉ. सुषमा ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में आवेदन के बाद रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध हैं और कोरोना महामारी के बावजूद विश्वविद्यालय में आयोजनरत इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को हाइटेक एल वॉयरो इंजिनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, देशवाल इन्वेस्ट प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार मिलना एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध इस पाठ्यक्रम में दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थी आगामी छह मई तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 22-04-2022**

बी.वॉक.-औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन में दाखिले का अवसर, 6 तक करें आवेदन

■ सी.यू.ई.टी.-2022 के अंतर्गत दाखिले की प्रक्रिया जारी

महेंद्रगढ़, 21 अप्रैल (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ शैक्षणिक सत्र 2022-23 में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

इस प्रक्रिया के अंतर्गत विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रम बी.वॉक.-औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन में दाखिले का विकल्प उपलब्ध है। किताबी ज्ञान, कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार के ढेरों अवसर उपलब्ध करवाने वाले इस पाठ्यक्रम में दाखिला केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सी.यू.ई.टी.) 2022 के माध्यम से होगा, जिसके लिए 6 मई तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि यह पाठ्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए किताबी ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों को कौशल विकास के अवसर उपलब्ध करवाता है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जाटपाली।

औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे नए तरीकों से अवगत करवाना प्रोग्राम का प्रमुख उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समन्वयक डॉ. सुषमा ने बताया कि इस प्रोग्राम का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे नए तरीकों से अवगत करवाना है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को एक वर्ष का कोर्स पूरा करने पर डिप्लोमा, 2 वर्ष पूरा करने पर एडवांस डिप्लोमा तथा 3 वर्ष पूरा करने पर भी वर्क औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन की डिग्री प्रदान की जाती है इसके अलावा भारत सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था ग्रीन जॉब्स, स्किल काऊंसिल ऑफ इंडिया के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल संबंधी प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाता है। कोरोना महामारी के बावजूद विश्वविद्यालय में अध्ययनरत इस पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को हाईटैक एन वॉयरो इंजिनियर्स प्राइवेट लिमिटेड, देशवाल इन्वैस्ट प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार मिलना एक प्रत्यक्ष प्रमाण है।

व्यवसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग के समन्वयक प्रो. पवन कुमार मौर्या ने बताया कि बी.वॉक-औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन व्यापक व्यावहारिक शिक्षा के अंतर्गत समय-समय पर इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के व्याख्यान और औद्योगिक प्रशिक्षण भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करता है। प्रो. मौर्य ने कहा कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रोजगार क्षमता बढ़ाना और कौशल विकास करना है।

इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आवेदक का विज्ञान विषय में 12वीं पास होना या 12वीं (विज्ञान विषय) के परीक्षा में सम्मिलित हुआ होना आवश्यक है। पाठ्यक्रम में सत्र 2022-23 के अंतर्गत कुल 50 सीटें उपलब्ध हैं।